अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल

(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)
साकेत नगर, भोपाल 462 020 मध्यप्रदेश, दूरभाष : 0755-2982607 / 2985569

All India Institute of Medical Sciences, Bhopal

(An Institute of National Importance under the Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India)
Saket Nagar, Bhopal 462 020 Madhya Pradesh, Tel.: 0755-2982607 / 2985569
■ Email : info@aiimsbhopal.edu.in ■ Website : www.aiimsbhopal.edu.in

क्रं. 11/06/2017-प्रशा./एम्स/भोपाल/4127 **दिनांकः** 12 **/09/2023**

अपील

प्रिय साथियों,

हम सभी भली-भांति जानते हैं कि हिंदी, देश की राजभाषा है और संघ की राजभाषा नीति का पालन करते हुए, हिंदी को अपनाना और सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना हमारा कर्तव्य है। देश की राजभाषा का सम्मान करना एवं इसके प्रयोग को बढ़ावा देना हमारे लिए गर्व की बात है।

हिंदी हमारी संस्कृति की पहचान है। अपनी भावनाओं एवं विचारधारा को व्यक्त करने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। दैनिक जीवन में हिंदी को अपनाने से हम अपने संबंधों को और मजबूत बनाते हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी अत्याधुनिक सुविधाओं तथा अनुसंधानों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने में भाषा उपयोगी साधन होती है। हिंदी भाषा हमें अपने विचारों को सहीं ढंग से व्यक्त करने तथा रोगियों से आत्मीय संवाद में मददगार होती है। इसलिए हमें संस्थान में हिंदी को निरंतर प्राथमिकता देने के साथ-साथ अपने सहयोगियों को भी हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

एम्स, भोपाल बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के साथ-साथ राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के प्रति भी पूर्णतः समर्पित है । यह खुशी की बात है कि हमारे संस्थान के सभी विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी भी इस दायित्व का निर्वाह प्रभावी ढंग से कर रहे हैं । राजभाषा हिंदी के प्रयोग के दौरान हमें यह ध्यान रखना होगा कि हिंदी एक जनभाषा है और सरलता व सहजता इसकी सबसे बड़ी विशेषता है । इसलिए हर क्षेत्र में हिंदी के सरल और प्रचलित शब्दों के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ।

संस्थान में हिंदी भाषा के प्रयोग को गति प्रदान करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता के साथ सक्रिय भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आइए, हम सभी मिलकर राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में अपना योगदान दें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अपने दृढ़ निश्चय तथा समन्वित प्रयासों से हम हिंदी भाषा के प्रति अपने संकल्पों एवं लक्ष्यों को साकार रूप देने में अवश्य सफल होंगे।

हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ,

आपका,

प्रो. (डॉ.) अजय सिंह